Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—6506

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PERFORMING ARTS** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PERFORMING ARTS

DANCE/DRAMA/THEATRE

अभिनय कला

नृत्य / नाटक/रंगमंच

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

Note : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. The candidates are required to choose their specialisation i.e. Dance or Drama and Answer all Questions from that Specialization only.

नोट : समस्त अनुभाग अनिवार्य है। विद्यार्थी प्रश्नपत्र III से वर्ग 'ए' अथवा वर्ग 'बी' में से किसी वर्ग को चुनें तथा उस वर्ग के समस्त प्रश्नों के उत्तर दें-प्रत्येक अनुभाग से भी प्रश्नों को चुनें। इस प्रश्नपत्र में चार (4) खंड दो सौ (200) अंको के हैं। अभ्यर्थियों को इन खंडो में समाहित प्रश्नों का उत्तर उनमें दिये गये अलग विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5 x 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 x 5 = 25 कुल अंक)

DANCE / नृत्य

Group - A / समूह - A

The analysis of the plot, character and types of enacting (abhinaya), different modes (vritti) of delivery, elaborate conventions (dharmi) of suggestive or realistic presentation and of zoning (kaksavibhaga), as well as the rules governing the use of costumes, colours, ornaments and even caiffure can fully be appreciated only if we realize that each of these was a vehicle of a greater purpose and had a function to perform beyond itself. Each element was corelated to the basic state (sthayi bhava) which was to be portrayed through a series of transitory states (vyabhichari bhava). Thus the nature of rasa and the sthayi bhava determined the type of plot, character and speech the dramatist was to use; it also determined the nature of stage presentation and the proportion of the different types of abhinaya - those relating to movement (angika), speech (vachika), internal states (sattvika), costume and makeup (aharya).

कथावस्तु और चरित्र का विश्लेषण तथा अभिनय के विभिन्न रुप, वृत्ति की प्रस्तुति के विभिन्न तरीके, विस्तृत परम्परायें (धर्मी) - अभिव्यंजक अथवा यथार्थ, प्रस्तुती और कक्षाविभाग -साथ-ही-साथ वे नियम जो वस्त्र सज्जा, रंग, आभूषण तथा वेशविन्यास को शासित करते हैं, वे पूरी तरह प्रशंसनीय हैं। लेकिन केवल तब जब हम यह समझें कि इन सबमें हरेक एक महान उद्देश्य के वाहक हैं तथा उनका कार्य, उससे अधिक आगे के कार्य को सिद्ध करना है। हरेक उपादान स्थायी-भाव से सम्बद्ध होता है जो श्रृंखला बद्ध व्यभिचारी भाव की अस्थायी स्थितियों की अभिव्यक्ति से चिचित्र होता है। अत: रस के स्वभाव और स्थायीभाव को कथावस्तु चरित्र और संवाद जिसे नाटककार प्रस्तुत करते हैं- इन्हीं से निश्चित किया जाता है। यह मंच प्रस्तुति तथा विभिन्न प्रकार के अभिनय को भी निश्चित करता है - जो अंगिका, वाचिका, सात्विका, आहार्य (वस्त्रसज्जा और रंगसज्जा) से सम्बन्धित हैं।

DRAMA - THEATRE / नाटक – रंगमंच

Group - B / समूह - B

The various dramatic idioms of the European and American drama are a product of their changing social and cultural conditions and the psychological, moral and intellectual responses to them. They have thus a wider and relevant context. But in India, those idioms are often adopted as a fashion and are imitative of the dominant theatrical mode in the west, without the corresponding indigenous social, cultural or theatrical compulsion.

यूरोप और अमेरिका के नाटकों की अनेक नाटकीय उक्तियाँ वस्तुत: बदलते हुए सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों तथा उनके मनोवैज्ञानिक, नैतिक और बौद्धिक प्रत्युत्तर के परिणाम हैं। अत: उनके विस्तृत और यथोचित संदर्भ है। लेकिन भारत वर्ष में प्राय: व उक्तियां फैशन के तौर पर ग्रहण की जाती हैं तथा देशज, सामाजिक, सांस्कृतिक और रंगमंचीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखे बिना हम बराबर पश्चिम के प्रमुख रंगमंचीय पद्धति का अनुकरण करते हैं।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

1. How are the 'Vyabhichari' and 'Sthayi bhava's related ?
व्याभिचारी तथा स्थायी भाव का आपस में क्या सम्बन्ध हैं?

OR / अथवा

Do you agree with the views of the writer expressed in the above paragraph ?
क्या आप लेखक द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त विचारों से सहमत हैं?

2. Define 'Vritti' and 'Dharmi'.
वृत्ति और धर्मी को पारिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

What is the degree of success achieved by the Indian playwrights adopting the various dramatic idioms of the west ?
पश्चिम की रंगमंचीय उक्तियों को ग्रहण करके भारतीय नाटयलेखकों को कितनी दूर तक सफलता मिली है?

3. What are the types of enacting ?
अभिनय के कौन-कौन से प्रकार हैं?

OR / अथवा

Are we imitating the west uncritically ?
क्या हम बिना आलोचना किये पश्चिम का अनुकरण कर रहे हैं?

4. Mention the features with which the dramatist was guided.
उन तत्वों की चर्चा करें जिनसे नाटकार निर्देशित होते हैं।

OR / अथवा

Could you cite a few examples of plays written in Indian languages adopting the various dramatic idioms of the west ?
कुछ उदाहरण प्रस्तुत करें जिनमें पश्चिम के रंगमंचीय उक्तियों को ग्रहण कर भारतीय भाषा में नाटक लिखे गये हैं।

5. Name all the 'Sthayi bhava's and the 'rasas' of Natyashastra.
नाटयशास्त्र के सभी स्थायी भावों तथा रसों का उल्लेख करें।

OR / अथवा

What do you think is a healthy alternative to imitating the dominant theatrical mode of the west ?
पश्चिम की प्रमुख नाटय पद्धतियों का अनुकरण करने के विकल्प के रुप में आप कौन से स्वस्थ तरीको का सुझाव दे सकते हैं।

SECTION - II
खण्ड – II

DANCE, DRAMA / THEATRE
नृत्य, नाटक/रंगमंच

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

6. What are 'hastmudras' ?
हस्तमुद्रायें क्या हैं?

OR / अथवा

Name any three Sanskrit plays (and their authors) whose plot is drawn from the epics, Ramayana and Mahabharata and write briefly about the Nayakas of these plays.
रामायण और महाभारत महाकाव्यों से ली गयी कथावस्तु से निर्मित तीन संस्कृत नाटकों एवं उनके लेखकों का नामोल्लेख करें तथा इन तीनों नाटकों के नायकों के विषय की संक्षेप में चर्चा करें।

7. Define 'nritta' and 'nritya'.
'नृत' और 'नृत्य' को पारिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

Write a brief note on 'Nandi' as described in Natyashastra.
नाटयशास्त्र में वर्णित नन्दी पर संक्षिप्त उल्लेख करें।

8. Define the types of theatre according to Natyashastra.
नाटयशास्त्र के अनुसार रंगमंच के विभिन्न प्रकारों को पारिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

Of the ten types of drama (Rupaka), Nataka is the most evolved form. Discuss its characteristics.
रुपक के दस प्रकारों में नाटक सबसे अधिक विवर्तित रुप है। इसकी विशेषताओं की चर्चा करें।

9. Describe 'Khandita' nayika.
खंडिता नायिका का वर्णन करें।

OR / अथवा

Write a brief note on 'kaisiki' vritti.
'कैशिकी वृत्ति' पर संक्षेप में चर्चा करें।

10. Write five differences of Odissi and Bharatnatyam.
ओडिसी और भरत नाटयम के मध्य पांच विभिन्नताओं का उल्लेख करें।

OR / अथवा

Define 'Lokadharmi' style of acting.
अभिनय की 'लोकधर्मी' शैली को पारिभाषित कीजिए।

11. Give three characteristic features of Hindusthani tala - system.
हिन्दुस्तानी ताल पद्धति की तीन विशेषतायें बताइयें।

OR / अथवा

Write about the significance of Koodiyattam in the context of Sanskrit theatre tradition.
संस्कृत रंगमंच की परम्परा के संदर्भ में 'कुड़ीयाट्टम' की विशेषतायें बतलाइए।

12. Name the 'Dasarupakas'.
दशरुपकों का उल्लेख करें।

OR / अथवा

Explain the term 'Akashabhashitam' in Sanskrit convention of acting.
संस्कृत की अभिनय-परम्परा में 'आकाशभाषितम' को स्पष्ट करें।

13. Give the differences of Lucknow gharana and Jaipur gharana of Kathak.
लखनऊ घराना और जुयपुर घराने की कथक की विभिन्नताओं का उल्लेख करें।

OR / अथवा

Write a brief note of 'Satvikabhinaya'.
'सात्विक अभिनय' पर संक्षेप में चर्चा करें।

14. What is Tandava ?
तांडव किसे कहते हैं?

OR / अथवा

Define 'Awastha' and the five stages of its progression in plot construction of sanskrit drama.
'अवस्था' को पारिभाषित कीजिए तथा इसके पांच स्तरों के विषय लिखिए जो संस्कृत नाटकों की कथावस्तु के विकास में सहायक हैं।

15. What is the difference of Folk dance and classical dance.

शास्त्रीय नृत्य और लोक नृत्य में क्या विभिन्नतायें हैं?

OR / अथवा

Write a brief note on the four 'purusharthas'.

चारों पुरुषार्थों पर संक्षेप में लिखें।

16. Define 'karana' of Natyashastra.

नाटयशास्त्र के 'करन' को पारिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

Explain the features of 'Vikrishta Madhyama Natya Mantapa' as prescribed in the Natyashastra.

नाटयशास्त्र में उल्लिखित 'विकृष्ट मध्यमानाटय मंडप' की विशेषतायें लिखें।

17. What is Creative Dance ?

सृजनशील नृत्य किसे कहते हैं?

OR / अथवा

Explain the term 'Garbhanatakam' with an example from Sanskrit dramatic literature.

'गर्भनाटक' को संस्कृत रंगमंचीय साहित्य के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वर्णित कीजिए।

18. Give three features of Candyan dance of Sri Lanka.

श्रीलंका के कैंडयन नृत्य की तीन मुख्य विशेषताओं की चर्चा करें।

OR / अथवा

Explain the term 'uparupaka'.

'उपरुपक' शब्द की व्याख्या कजिए।

19. "Natyaveda was formed with elements from four vedas". What are those elements ?
'नाट्यवेद का निर्माण चारों वेदो के तत्वों को मिलाकर हुआ है' वे तत्व क्या हैं?

OR / अथवा

Write a brief note on 'Kabuki'.
'काबुकी' पर संक्षिप्त चर्चा करें।

20. Which recent dance production has impressed you and why ?
आज के किस नृत्य प्रस्तुति ने आपको प्रभावित किया है और क्यों?

OR / अथवा

Name 'Navarasas' and explain any one of them.
नवरसों का नामोल्लेख कीजिए तथा किसी एक की विशद चर्चा करें।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों का पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक/रंगमंच

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. Discuss the dance elements in Kalidasa's work.

कालिदास की वृतियों में नृत्य के तत्वों पर विचार कीजिए।

OR / अथवा

Explain 'Theatre of the Absurd'. Discuss a few playwrights and their works of this type of theatre.

'एब्सर्ड रंगमंच' की व्याख्या कीजिए। कुछ नाटयलेखकों तथा उनकी रंगमंच की इसी ढंग की वृतियों की चर्चा कीजिए।

22. How was Udayshankar inspired by Anna Pavlova ?

अन्ना पावलोवा से उदयशंकर कैसे प्रेरित हुए हैं?

OR / अथवा

Discuss Stanislavsky's system of acting. Who called it 'Method acting' ?

स्टानिस्लावस्की की अभिनय पद्धति की चर्चा कीजिए। जिन्होने इसे 'मेथड एक्टिंग' का नाम दिया।

23. Discuss the recent developments in your classical dance form.

शास्त्रीय नृत्य पद्धति में वर्त्तमान समय में क्या प्रगति हुई हैं? उल्लेख करें।

OR / अथवा

What were the significant changes in Indian theatre of the sixties and seventies ? Who are the directors and playwrights behind these changes ? Discuss.

साठ एवं सत्तर के दशकों में भारतीय रंगमंच में आये महत्वपूर्ण परिवर्त्तनों की चर्चा करें? इन परिवर्त्तनों की चर्चा करें? इन पारिवर्त्तनों के पीछे कौन कौन से निर्देशक और नाटय लेखक थे? चर्चा करें।

24. Discuss the Chhau dances of three regions.

तीन क्षेत्रों में प्रचलित 'छाउ नृत्य' के विषय लिखें।

OR / अथवा

Discuss the role played by theatre institutions in shaping contemporary Indian theatre.

वर्त्तमान भारतीय रंगमंच को आकार देने में रंगमंच संस्थानों की भूमिका की चर्चा करें।

25. Why do you give importance to lights and sets in your choreography ?

कोरियोग्राफी में आप क्यों प्रकाश और मंच को महत्वपूर्ण मानते हैं।

OR / अथवा

Discuss in detail Badal Sircar's 'The Third Theatre'.

बादल सरकार के 'द थर्ड थियेटर' की विस्तार से चर्चा करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

DANCE, DRAMA / THEATRE

नृत्य, नाटक/रंगमंच

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

26. What do you mean by 'dance-theatre' ? Explain with examples.
'नृत्य रंगमंच' से आप क्या समझते हैं? सोदाहरण स्पष्ट करें।

OR / अथवा

'Dance is a means of communication'. Explain.
'नृत्य, संचार (कम्यूनिकेशन) का एक माध्यम है' – स्पष्ट कीजिए।

26. Discuss the plays of four major Indian playwrights who have contributed to the emergence of Modern Indian Drama in the post - independence era.
स्वतंत्रता के पश्चात आधुनिक भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में चार प्रमुख भारतीय नाट्य लेखकों के नाटकों का क्या योगदान रहा – चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

"It is theatre directors who have defined the contours of contemporary Indian theatre" - Do you agree. Discuss by citing the works of leading Indian theatre directors.
''रंगमंच के निर्देशक ही आज के भारतीय रंगमंच की रुपरेखा निर्धारित करते हैं'' – क्या आप इससे सहमत हैं। भारतीय रंगमंच के प्रमुख निर्देशकों के कार्यो का विवरण देते हुए, इस उक्ति पर चर्चा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....